हादसा | तेल की पेटियां ले उड़े ग्रामीण, एक माह में चौथा हादसा, चालक फरार

रिचिका घाट में रिफाइंड तेल से भरा ट्रक पलटा

भुआ बिछिया, नवभारत। बिछिया थाना क्षेत्र अंतर्गत घुटास से करीब छह किलोमीटर दूर स्थित कला रिचिका घाट शनिवार सुबह एक बार फिर हादसों का गवाह बना। रिफाइंड तेल से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर घाट के अंधे मोड़ पर पलट गया। दुर्घटना के बाद जहाँ चालक मौके से भाग खड़ा हुआ, वहीं ग्रामीणों में तेल की पेटियां लूटने की होड़ मच गई।

जानकारी अनुसार ट्रक बिछिया से डिंडौरी की ओर जा रहा था। कला रिचिका घाट के खतरनाक अंधे मोड़ पर चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिससे ट्रक सड़क किनारे गहराई में जाकर पलट गया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के तुरंत बाद चालक कानूनी कार्रवाई के डर से वाहन छोड़कर फरार हो गया।

मदद के बजाय मची लूट

हादसे की खबर जैसे ही आसपास के गांवों में फैली, ग्रामीण मदद के बजाय ट्रक में लदे माल पर टूट पड़े। ट्रक को लावारिस देख लोगों ने रिफाइंड तेल की पेटियां उठाकर अपने घर ले जाना शुरू कर दिया। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और दोपहर तक ट्रक में लदा काफी माल गायब हो चुका था। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और भीड़ को खदेड़ा।

एक माह में चौथी दुर्घटना

स्थानीय नागरिकों ने सड़क निर्माण और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि घाट पर खतरनाक मोड़ होने के बावजूद कोई चेतावनी बोर्ड या रेडियम संकेतक नहीं लगे हैं। सड़क चौड़ी और चिकनी होने के कारण वाहन चालक यहाँ गति पर नियंत्रण नहीं रख पाते। पिछले 30 दिनों के भीतर इसी घाट पर यह चौथा बड़ा सड़क हादसा है। बिछिया पुलिस ने ट्रक नंबर के आधार पर वाहन मालिक और ट्रांसपोर्टर की जानकारी जुटाना शुरू कर दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और चोरी गए माल की बरामदगी के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

शहीद स्मारक में गूंजे भारत माता के जयकारे

▶ पुलवामा के अमर बलिदानियों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नारायणगंज। पुलवामा आतंकी हमले की 7वीं बरसी के अवसर पर नारायणगंज स्थित शहीद स्मारक में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र के नागरिकों ने माँ भारती की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले 40 वीर शहीदों को अश्रूपूरित श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके अदम्य साहस को याद किया।

कार्यक्रम का प्रारंभ शहीद स्मारक परिसर में पुष्पचक्र अर्पित करने के साथ हुआ। उपस्थित जनसमूह ने दो मिनट का मौन धारण कर वीर जवानों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर पूरा वातावरण वंदे मातरम और शहीद जवान अमर रहें के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा।

शहीदों का बलिदान सदैव रहेगा प्रेरणास्रोत

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने पुलवामा हमले को कायराना कृत्य बताया। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा के लिए हमारे जवानों ने जो सर्वोच्च बलिदान दिया है, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। शहीदों का यह त्याग आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव देशभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा और राष्ट्र हमेशा उनका ऋणी रहेगा।

इस आयोजन में रतन ठाकुर, कृष्ण कुमार झारिया, संतोष सोनी, सुंदर सोनी, राकेश अग्रवाल, सुरेश सोनी, वीरेंद्र अग्रवाल, दुर्गेश सोनी, सुमित हथाले, प्रशांत सोनी, नरेश सोनी, भगवान मिश्रा, मुन्ना बाल्मीकि एवं निशांत अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक और युवा उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने का संकल्प लिया।

पुलिस ने चौपाल लगाकर ग्रामीणों को सिखाए सुरक्षा के गुर

▶ हेलमेट की अनिवार्यता और नशा मुक्ति के लिए किया जागरूक

नारायणगंज। ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और पुलिस-जनता के बीच समन्वय बढ़ाने के उद्देश्य से माइक्रो बीट पुलिस चौपाल अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार और पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न थानों और चौकियों के अंतर्गत यह जागरूकता संवाद निरंतर जारी है।

अभियान के अंतर्गत जिले के नारायणगंज थाना टिकरिया के ग्राम चुटका, देवरी और ग्राम मेढ़ी के क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीण चौपालों में पहुंचकर नागरिकों से सीधा संवाद किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को कानून और सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना है जिससे एक सुरक्षित समाज का निर्माण हो सके।

चौपाल के माध्यम से पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को निम्नलिखित महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया। चौपाल में ग्रामीणों को दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट की अनिवार्यता और यातायात नियमों के पालन पर जोर दिया गया। बढ़ते डिजिटल फ्रॉड और साइबर अपराधों से बचाव के तरीके साझा किए गए। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए बने कानूनों और आपातकालीन सहायता नंबरों के बारे में जानकारी दी गई। नशा मुक्ति के प्रति ग्रामीणों को प्रोत्साहित किया गया और इसके दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया।

पुलिस-पब्लिक संवाद से बढ़ेगा भरोसा

पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में आयोजित इस माइक्रो बीट प्रणाली का उद्देश्य पुलिस की पहुंच प्रत्येक नागरिक तक सुनिश्चित करना है। चौपालों में ग्रामीणों ने भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और अपनी समस्याओं को पुलिस के समक्ष रखा। प्रशासन का मानना है कि इस प्रकार के सुरक्षा संवाद से ग्रामीण क्षेत्रों में अपराधों पर प्रभावी लगाम लगेगी और जनता का पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ेगा?

लापता जबलपुर के युवक की टिकरिया के जंगल में मिली लाश

▶ 4 दिनों से लापता था सुमित, मधुवन ढाबा के पास मिला शव, एसपी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

नारायणगंज। नारायणगंज के थाना टिकरिया अंतर्गत मधुवन ढाबा के पास जंगल में एक 30 वर्षीय युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुँचा और जांच शुरू की। मृतक की पहचान जबलपुर निवासी के रूप में हुई है, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट पहले ही दर्ज कराई जा चुकी थी।

जानकारी अनुसार पुलिस जांच में मृतक की पहचान सुमित कुशवाहा 30 वर्ष, निवासी ग्राम घाना, थाना तिलवारा, जबलपुर के रूप में हुई है। परिजनों ने मौके पर पहुँचकर शव की शिनाख्त की। सुमित के भाई ने बताया कि वह 11 फरवरी से लापता था और उसे आखिरी बार मंडला की ओर जाते हुए देखा गया था। इस संबंध में टिकरिया थाने में मृतक के भाई अमित कुशवाहा ने गुमशुदगी की शिकायत भी दर्ज कराई थी।

पत्नी ने दी थी दुर्घटना की सूचना

मामले में एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि 11 फरवरी को ही सुमित की पत्नी जमुना पटेल ने डायल 112 पर कॉल कर किसी दुर्घटना की आशंका जताई थी। हालांकि उस समय पुलिस को मौके पर कोई साक्ष्य नहीं मिल पाए थे और घटना की पुष्टि नहीं हो सकी थी। अब शव मिलने के बाद उस कॉल की कड़ियों को भी जांच में जोड़ा जा रहा है।

एसपी का अनुमान मृत्यु संदिग्ध

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने स्वयं घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने एफएसएल टीम और संबंधित अधिकारियों को बारीकी से साक्ष्य जुटाने के निर्देश दिए हैं। प्रारंभिक जांच में सुमित की मृत्यु संदिग्ध मानी जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

पुलिस का कहना है कि सुमित की मौत किसी सड़क दुर्घटना में हुई है या किसी धारदार हथियार से लगी चोट के कारण हुई है या इसके पीछे कोई और साजिश है, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल टिकरिया पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मृतक के मोबाइल कॉल रिकॉर्ड्स व अन्य पहलुओं पर जांच तेज कर दी है।

भाई ने लगाए हत्या के आरोप

मृतक सुमित के भाई अमित कुशवाहा ने मृतक की पत्नि और उनके परिजनों पर हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। मृतक के भाई अमित ने बताया कि मृतक की पत्नि एक साल से मायके में रह रही थी। जहां पर उसका किसी के साथ अफेयर भी था। आरोप में कहां कि उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर भाई की हत्या कर जंगल में छोड़कर फरार हो गया।

शिवालयों में उमड़ा आस्था का जनसैलाब, दिनभर गूंजते रहे बम-बम भोले के जयघोष

घुघरी। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर विकासखंड घुघरी भी भगवान भोले की भक्ति में लीन रहा। सुबह से शाम तक शिवालयों में भक्तों का तांता लगा रहा। दिनभर पूजन पाठ का दौर चलता रहा।

महाशिवरात्रि पर्व पर घुघरी के मंदिरों, शिवालयों, घरो में भक्तों द्वारा भोले को प्रसन्न करने दूध, दही, शहद से अभिषेक किया गया। मंदिरों और शिवालयों में भक्तों का तांता लगा रहा। क्षेत्र के युवाओं द्वारा इस अवसर पर घुघरी बस स्टेंड में महाप्रसाद वितरित किया गया।

नर्मदा तटों पर भक्तों ने लगाई डुबकी

महाशिवरात्रि के अवसर पर मां नर्मदा के विभिन्न घाट माहिष्मती घाट, संगम घाट, जेल घाट और नाना घाट पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भक्तों ने पावन नर्मदा में स्नान के उपरांत तट पर स्थित मंदिरों में पूजन किया। सुरक्षा की दृष्टि से जिला प्रशासन और पुलिस बल मुस्तैद रहा। गहरे पानी वाले क्षेत्रों में बैरिकेडिंग की गई थी और पुलिस बल के साथ नगर पालिका की टीम घाटों पर तैनात रही।

माहिष्मती घाट से निकली बारात

नगर के माहिष्मती घाट पर माँ रेवा सेवा महाआरती समिति के तत्वावधान में भव्य शिव बारात और शोभायात्रा निकाली गई। गाजे-बाजे के साथ निकली इस बारात में श्रद्धालु झूमते-गाते नजर आए। इससे पूर्व मंदिर परिसर में अभिषेक, हवन, आरती और कन्या भोज का आयोजन किया गया। शहर के विभिन्न हिस्सों में कांवड़ यात्राएं भी निकाली गईं, जिनका महिलाओं ने रेवा दरबार में आत्मीय स्वागत किया।

कारीकोना भी हुआ शिवमय

महाशिवरात्रि पर्व पर नगर के प्रतिष्ठित शिवालयों कारीकोन स्थित शिवालय, दादा धनीराम आश्रम, सिद्ध रेवा घाट, बारह ज्योतिर्लिंग माहिष्मती घाट, सहस्त्रधारा आश्रम, मंगलेश्वर मंदिर महाराजपुर और पीपल घाट स्थित नर्मदा आश्रम में दिनभर धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम चलता रहा। नगर के प्रमुख चौराहों और बस स्टैंड पर विभिन्न समितियों द्वारा पेयजल और फरियाली प्रसादी और भंडारे का वितरण भी किया गया।

पैंगोलिन की तस्करी मामले में अब तक 17 आरोपी गिरफ्तार

नवभारत, उमरिया। जिले में दुर्लभ वन्यजीव पैंगोलिन की तस्करी और शिकार के खिलाफ वन विभाग ने संगठित कार्रवाई करते हुए अंतरजिला गिरोह का पर्दाफाश किया है। अब तक 9 जिलों से 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हालिया कार्रवाई में पांच आरोपियों को एक जीवित पैंगोलिन के साथ पकड़ा गया। इससे पूर्व शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, मंडला, जबलपुर और डिंडोरी सहित विभिन्न जिलों से 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। बता दें कि 27 अक्टूबर 25 को जैतपुर वन परिक्षेत्र के ग्राम जरवाही के पास से 1.643 किलोग्राम पैंगोलिन स्केल्स के साथ दो आरोपियों को पकड़ा गया था। पूछताछ के आधार पर अलग-अलग जिलों में दबिश देकर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियमके तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र में क्रेता-विक्रेता बैठक आयोजित

डिण्डौरी, नवभारत। बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया के जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम के तहत कृषि विज्ञान केंद्र, डिंडोरी में शनिवार के दिन क्रेता-विक्रेता बैठक का सफल आयोजन किया गया।

इस बैठक का मुख्य उद्देश्य किसानों को उनकी उपज के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराना, मंडी व्यापारियों से उनकी समस्याओं को सुनना और उन्हें डायरेक्ट मार्केट से जोड़ना था।बैठक में मंडी के व्यापारियों और किसानों के बीच खुली चर्चा हुई, जहां किसानों ने अपनी फसलों की बिक्री में आने वाली चुनौतियों, मूल्य निर्धारण, परिवहन और गुणवत्ता संबंधी मुद्दों को रखा। व्यापारियों ने भी अपनी मांगें और सुझाव साझा किए, जिससे दोनों पक्षों के बीच बेहतर समझ विकसित हुई। कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को क्लाइमेट रेसिलिएंट (जलवायु अनुकूल) बीज, तकनीक और बाजार लिंकेज प्रदान करने पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी, कृषि विज्ञान केंद्र प्रभारी डॉ. केके देशमुख, जबलपुर प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर डॉ. पंकज कुमार, आत्मा परियोजना सहायक संचालक नेहा धुरिया, मंडी सहायक सचिव प्रीति झारिया, सहायक कृषि अभियंता पामेश भगत, संचालक वैज्ञानिक डॉ. पी.एल. अम्बुलकर, तकनीकी अधिकारी चंदन कुमार, मनीष भारद्वाज सहित प्रतिनिधियों ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए अनुकूल कृषि पद्धतियों पर प्रकाश डाला। बैठक में किसान कल्याण वर्ष 2026 के संदर्भ में भी चर्चा हुई, जो मध्य प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के उत्थान के लिए समर्पित है। प्रतिभागी किसानों ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें सीधे खरीदारों से जुड़ने का मौका मिला।

20 से होगी गिद्धों की गणना

चिल्हारी, उमरिया। जिले के विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 20 फरवरी से गिद्धों की गणना की जाएगी, इसके लिए पार्क प्रबंधन द्वारा विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह गिद्ध गणना का आयोजन 20 से 22 फरवरी तक चलेगा। प्रशिक्षण में विशेषज्ञों द्वारा गिद्धों की पहचान, प्रजाति, वर्गीकरण और गणना की वैज्ञानिक पद्धति की जानकारी प्रदान की जाएगी। बता दें कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की पहाड़ियों और दुर्गम वन क्षेत्रों में विभिन्न प्रजातियों के गिद्ध बड़ी संख्या में मौजूद हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक डॉ अनुपम सहाय ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद, निर्धारित तिथियों में अलग-अलग बीटों और पहाड़ी क्षेत्रों में टीमें तैनात की जाएंगी। वन अधिकारियों का मानना है कि गिद्धों की संख्या और उनकी प्रजातियों का सही आंकलन उनकी संरक्षण स्थिति की निगरानी और रणनीति तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मानकों को दरकिनार कर बिना तकनीकी निगरानी चल रहा काम

▶ ग्राम पंचायत डोभी में निर्मल नीर कुआं निर्माण में अनियमितता का आरोप

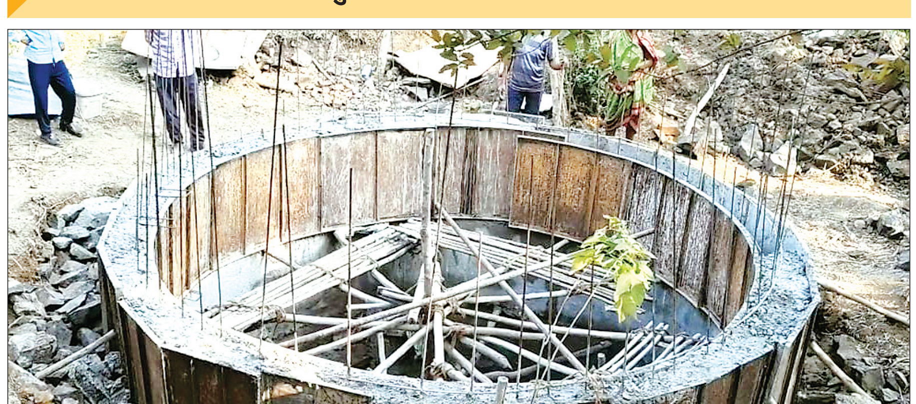

शहपुरा, नवभारत। शहपुरा जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत डोभी में निर्मल नीर योजना के तहत बनाए जा रहे कुएं के निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है और निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन नहीं हो रहा है।

बताया जा रहा है कि निर्माण स्थल पर किसी भी तकनीकी इंजीनियर की मौजूदगी नहीं है, जबकि नियमों के अनुसार ऐसे कार्यों की निगरानी तकनीकी अधिकारी द्वारा की जानी चाहिए। इसके अलावा कंक्रीट ढलाई के दौरान वाइब्रेटर मशीन का उपयोग नहीं किया जा रहा, जिससे निर्माण की मजबूती पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ग्रामीणों ने उठाई निष्पक्ष जांच की मांग

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कुएं की ढलाई तय अनुपात (रेशियो) के अनुसार नहीं की जा रही है और निर्माण सामग्री भी अत्यंत घटिया स्तर की है। रेत में मिट्टी और कचरा मिला होने के बावजूद उसका उपयोग किया जा रहा है, जिससे भविष्य में निर्माण के कमजोर होने की आशंका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं कराई गई तो सरकारी राशि का दुरुपयोग होने के साथ-साथ योजना का उद्देश्य भी विफल हो जाएगा। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।